

मोड्यूल 16 : नवजात शिशु की देखभाल में अंतिम कदम

सत्र 1 : प्रशिक्षण कार्यशाला 6 (मोड्यूल 14 एवं 15) के बाद कार्यक्षेत्र के अनुभवों की समीक्षा

दिवस : 1

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

प्रयोजन

आशा को पिछले प्रशिक्षण के पश्चात् क्षेत्र में हुए अनुभवों के बारे में चर्चा करने का अवसर देना, उनके प्रश्नों तथा शंकाओं का समाधान करने के बारे में विचार करना, तथा जिन विषयों में अधिक अभ्यास अथवा स्पष्टीकरण चाहिए, उनकी पहचान करना। पिछले मूल्यांकन में जो आशाओं का परीक्षाफल सन्तोषजनक नहीं था उनका मूल्यांकन करना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आयेंगी:

1. पिछले माह क्षेत्र में किये गये कार्य से प्राप्त हुये अनुभवों, उनसे ली गयी शिक्षा तथा कठिनाइयों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान।

सामग्री

- आशा का क्षेत्र में काम तथा प्रशिक्षण में प्रगती का रिकार्ड
- अभ्यासपत्र 1 : मूल्यांकन प्रश्नपत्र
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1 : मूल्यांकन प्रश्नपत्र के उत्तर
- गले का स्त्राव निकालने वाला उपकरण (चूषण पम्प)
- बैग और मास्क
- कृत्रिम सॉस देने के लिए गुड़िया
- शिशु को पोंछने तथा लपेटने के लिए कपड़ा (दम घुटे शिशु के उपचार की पूरी प्रक्रिया के लिए)
- शिशु के कंधों के नीचे रखने के लिए तह किया हुआ कपड़ा
- जेन्टामाइसिन की शीशियाँ
- सिरिंज
- रूई तथा स्पिरिट
- स्वास्थ्य शिक्षा चित्र पुस्तिका
- ब्लैक बोर्ड तथा चॉक

तैयारी

- कार्यशाला के पूर्व प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर एक बैठक करें। बैठक के दौरान प्रत्येक आशा का सुपरवाइजर द्वारा गाँव में भरा गया काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड तथा उसकी समस्याओं पर चर्चा हो और यह सारी बातें सुपरवाइजर प्रशिक्षक को अवगत कराएँ। इस प्रकार तैयारी कर लेने से अगली प्रशिक्षण

कार्यशाला आरंभ होने से पहले प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर को आशा की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों का पूरा पूरा ज्ञान होगा।

- आशा को पहले से बता दें कि वे स्वास्थ्य शिक्षा चित्र पुस्तिका तथा अध्ययन पत्र अपने साथ रखें।
- पिछले मूल्यांकन में जो आशाओं का परीक्षाफल सन्तोषजनक नहीं था उनके मूल्यांकन के लिए उपर दिया हुआ सारा सामान तैयार रखें।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति/चर्चा (40 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षणार्थियों को गोले में बिठावें।
2. प्रत्येक आशा से कहें कि पिछले माह, क्षेत्र में किये कार्य का सारांश प्रस्तुत करें। बतायें कि उसमें निम्न बातें अवश्य प्रस्तुत करें। (इन्हे बोर्ड पर लिख दें)
 - क्या उनमें से किसी ने दम घुटा शिशु देखा?
 - आशा ने यदि ऐसे किसी शिशु का चूषण पम्प के प्रयोग से उपचार किया हो तो परिवार की प्रतिक्रिया क्या रही?
 - क्या किसी ने सेप्सिस से ग्रस्त शिशु का कोट्रिमॉक्सेजोल से उपचार किया है?
 - जिन परिवारों के बीच रहकर उसने कार्य किया उनकी प्रतिक्रिया।
 - यदि आशा ने दाई की उपस्थिति में शिशु का चूषण पम्प के प्रयोग से उपचार किया हो तो दाई की प्रतिक्रिया।
 - बैग तथा मास्क प्रयोग करने का अभ्यास करने में कोई कठिनाई।
 - यदि शिशु जन्मते ही रोया नहीं अथवा साँस नहीं ली, तो ऐसे में परिवार की प्रतिक्रिया।
 - क्या परिवार के लोगों ने दम घुटे शिशु का चूषण पम्प के प्रयोग से उपचार करवाया?
 - आशा द्वारा सेप्सिस के उपचार के लिये शिशु को अस्पताल भेजने की सलाह देने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया रही।
3. प्रशिक्षक समय का ध्यान रखे तथा शंकाओं का समाधान करे।
4. यदि आवश्यक हो तो किसी विशेष विषय पर सामूहिक रूप से चर्चा करें।
5. जिन विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को अधिक अभ्यास/ जानकारी चाहिए, वह नोट कर लें।
6. आशा का क्षेत्र में काम तथा प्रशिक्षण का रिकार्ड देखें। आशा के गाँव में काम के बारे में विशिष्ट जानकारी उसे दें तथा आशा ने गाँव में कैसा काम किया है यह भी बताएँ। यदि किसी आशा को अधिक सहायता की आवश्यकता हो तो सत्र की समाप्ति पर उनसे अलग से चर्चा करें तथा समय दें।
7. यदि आशाओं के क्षेत्र में काम तथा प्रशिक्षण का रिकार्ड देखकर ऐसा लगे कि आशाओं की योग्यताओं में कमी है तो उस विषय की समीक्षा करें तथा उसे दोहराएँ।
8. पिछली प्रशिक्षण कार्यशाला में जिन आशाओं का परीक्षाफल सन्तोषजनक नहीं था उनके मूल्यांकन के लिये प्रशिक्षक समय निश्चित करें।

नाटक खेलना: (40 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षार्थियों को 4-5 समूहों में बाँटें।
2. प्रत्येक समूह को एक विषय चुनने दें। जैसे – सकारात्मक या कठिन स्थिति जिसके बारे में आशाओं ने चर्चा की हो या जिस के बारे में सभी को चिंता हो (जन्मतेही दम घुटे शिशु का चूषण पम्प से उपचार, सेप्सिस का कोट्रिक्सेजोल से उपचार, आदि)। कठिनाइयों का सामना कैसे करें या सकारात्मक अनुभव से उसे गाँव में काम करने में कैसे मदद मिलेगी इस के बारे में सभी समूहों में चर्चा हो। भूमिका नाटक, कहानी या प्रस्तुति के माध्यम से आशाएँ अपने अनुभवों का प्रदर्शन करें। (10 मि.)
3. प्रत्येक समूह अपने अनुभवों को प्रस्तुत करें और उस पर चर्चा हो। (5 से 10 मि.)

सारांश (5 मि.)

- आशाओं के गाँव में काम का सुपरवाईजर ने किया हुआ मूल्यांकन कैसा रहा इसके बारे में प्रशिक्षक आशाओं को बताएँ।
- गाँव में आशाओं के काम का सारांश करें। जिन विषयों को दोहराने की आवश्यकता हो उसके बारे में भी बताएँ। ऐसे विषयों की इसी प्रशिक्षण के दौरान अलग से समय निकालकर समीक्षा करें।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
पिछले माह क्षेत्र में किये गये कार्य से प्राप्त हुये अनुभवों, उनसे ली गयी शिक्षा तथा कठिनाइयों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान।	चर्चा	प्रशिक्षक द्वारा निरीक्षण